Scholarly Research Journal for Humanity Science & English Language,
Online ISSN 2348-3083, SJ IMPACT FACTOR 2017: 5.068, www.srjis.com
PEER REVIEWED JOURNAL, JUNE-JULY 2018, VOL- 6/28

प्राथमिक विद्यालयों में कार्यरत शिक्षको का मानसिक स्वास्थ्य व कार्य संन्तुष्टि का अध्ययन

कैलाशनाथ गुप्ता, Ph. D.

एसो०.प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष, एस०जी०पी०जी०कालेज, मालटारी, आज़मगढ़

Abstract

प्रस्तुत अध्ययन का उद्देश्य प्राथमिक शिक्षकों के मानसिक स्वास्थ्य का उनके कार्य पर सन्तुष्टि क अध्ययन है इसमें आजमगढ़ जनपद के सगड़ी परिक्षेत्र में प्राथमिक विद्यालय के अध्यापको का वर्गबद्ध अनियत चयन विधि द्वारा प्रतिदर्श के रूप चयन किया गया है

उत्तम, सामान्य व निम्न मानसिक स्वास्थ्य के शिक्षकों का निर्धारण करने के लिये भाटिया व शर्मा के मानसिक स्वास्थ्य मापनी का उपयोग किया गया है तथा उनकी कार्य सन्तुष्टि का अध्ययन करने पर ज्ञात हुआ कि उत्तम मानसिक स्वास्थ्य वाले शिक्षकों की कार्य सन्तुष्टि निम्न मानसिक वाले स्वास्थ्य शिक्षकों वाले शिक्षकों की कार्य सन्तुष्टि से उच्च पाई गयी।

Scholarly Research Journal's is licensed Based on a work at www.srjis.com

प्रस्तावना

जीवन सन्तुष्टि का आधार कार्य सन्तुष्टि है। प्रत्येक व्यक्ति की कार्य सन्तुष्टि यदि अधिक है तो निश्चित ही उसका जीवन सन्तुष्टि का स्तर उच्च होगा। प्रत्येक व्यक्ति अपने जीवन यापन के लिये कोई न कोई अवश्य कार्य करता है। यदि उसका कार्य उसके मूल्यों तथा अभिवृत्तियों के अनुकूल होता है तो वह अपना कार्य भली भाँति करता है तथा उसे उच्च कार्य तुष्टि प्राप्त होता है किन्तु प्रतिकूल होने पर कार्य तुष्टि का हास होता है। कार्य तुष्टि वह दशा है जो एक व्यक्ति को अपने को प्राप्त होने वाले आनन्द की अनुभूति कराती है। कार्य तुष्टि व्यक्ति के सभी पहलुओं यथा वेतन, पदोन्नति के अवसर अधिकारियों निरीक्षणों व सहयोगियों के प्रति दृष्टिकोण आदि के कारण उत्पन्न मानसिक सांवेगिक स्थिति है।

किसी भी व्यवसाय में सन्तुष्टि एक अति आवश्यक घटक है क्योंकि एक व्यक्ति अपने व्यवसाय जितना अधिक तुष्ट होगा उतना ही वह प्रभावशाली ढंग से अपना कार्य करेगा। इसके उलट यदि व्यक्ति अपने व्यवसाय से असन्तुष्ट होगा उतना वह अरूचि से काम करेगा। इससे वह व्यक्ति अपने व्यवसाय या कार्य के साथ पूरा न्याय कर पायेगा। यही बात शिक्षण व्यवसाय में लगे लोगों के लिए भी सत्य है। यदि एक अध्यापक को अपने शिक्षण व्यवसाय में सन्तुष्टि की भावना दृष्टिगत होगी तब वह अपने कर्त्तव्यों का निर्वहन ठीक प्रकार से कर पायेगा अन्यथा कि स्थिति में वह केवल खानापूर्ति करेगा अतः अध्यापन प्रतिफल शून्य होगा।

परिकल्पना –:

शिक्षक तथा शिक्षिकाओं के कार्य तुष्टि के मध्य सार्थक अन्तर नही होगा।

Copyright © 2018, Scholarly Research Journal for Interdisciplinary Studies

प्रतिदर्श–:

प्राथमिक विद्यालय के २०० शिक्षक तथा शिक्षिकाओ का वर्गबद्ध अनियत प्रतिचयन विधि द्वारा प्रतिदर्श चयन आजमगढ़ जनपद से किया गया है।

प्रयुक्त परीक्षण –:

१– मानसिक स्वास्थ्य मापनी — भाटिया व शर्मा

२– अध्यापक कृत्य सन्तुष्टि मापनी — एस.पी. गुप्त व श्रीवास्तव

विवेचना –:

शोधार्थी द्वारा उत्तम, सामान्य व निम्न मानसिक स्वास्थ्य के शिक्षको का निर्धारण करने के उद्देश्य से ४०० प्राथमिक विद्यालय के शिक्षको पर मानसिक स्वास्थ्य मापनी का प्रयोग किया गया। प्राप्ताकों के आधार पर विभिन्न सांख्यकीय संमको की गणना की गयी जिसके आधार पर १२३ उत्तम मानसिक स्वास्थ्य १६१ सामान्य मानसिक स्वास्थ्य तथा ११६ निम्न मानसिक स्वास्थ्य वाल शिक्षकों की कार्य तुष्टि का अध्ययन किया गया

उत्तम व सामान्य तथा निम्न मानसिक स्वास्थ्य वाले शिक्षकों का कार्य सन्तुष्टि परीक्षण का प्रशासन किया गया तथा आँकड़ो पर मध्यमान, प्रामाणिक विचलन तथा सार्थक उत्तर का अध्ययन करने के उद्देश्य से कान्तिक अनुपात की गणाना की गयी। प्राप्त परिणाम निम्नवत रहा है।

उत्तम औसत व निम्न मानसिक स्वास्थ्य के शिक्षकों की कार्यतुष्टि प्राप्तांको, प्रामाणिक विचलन तथा क्रान्तिक अनुपात की तालिका

	मनसिक स्वास्थ्य									क्रान्तिक अनुपात		
	A (उच्च)			**B** (सामान्य)			**C** (निम्न)					
	N	मध्य मान	प्रामाणिक विचलन	**N**	मध्य मान	प्रामाणिक विचलन	**N**	मध्य मान	प्रामाणिक विचलन	**A&B**	**A&C**	**B&C**
कार्य संन्तुश्टि	123	268-04	23-59	161	266-8	31-24	116	259-9	34-9	0-36>0-05	2-10<0-05	1-71>0-05

सार्थकता स्तर ०.०१ → २.५६

०.०५–१.६७

तालिका का अध्ययन करने के स्पष्ट है कि उत्तम मानसिक स्वास्थ्य वाले शिक्षको की कार्य तुष्टि उच्चस्तर की है जबकि औसत मानसिक स्वास्थ्य की कार्य सन्तुष्टि तुलनात्मक रूप में निम्न स्तर की ज्ञात हुयी। इसके उलट निम्न मानसिक स्वास्थ्य की शिक्षकों की कार्य तुष्टि सर्वाधिक निम्न है। इस प्रकार स्पष्ट है कि उच्च कार्य तुष्टि व मानसिक स्वास्थ्य में धनात्मक सह सम्बन्ध है। इस कारण उच्च मानसिक स्वास्थ्य वाले शिक्षकों की कार्य तुष्टि अधिक है इसका चित्रात्मक निरूपण निम्नवत है।

Copyright © 2018, Scholarly Research Journal for Interdisciplinary Studies

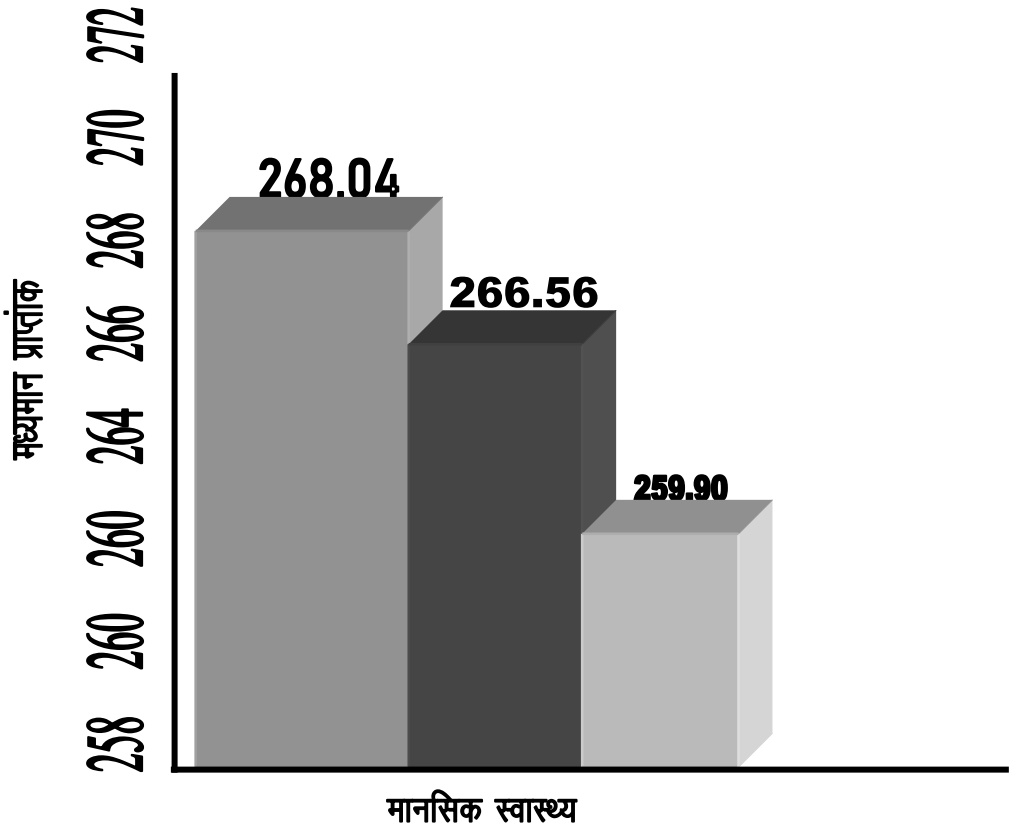

उत्तम, सामान्य व निम्न मानसिक स्वास्थ्य वाले शिक्षकों की कार्य तुष्टि का अध्ययन करने के उद्देश्य से क्रान्तिक अनुपात निकाला गया। तालिका से स्पष्ट है कि उत्तम मानसिक स्वास्थ्य के शिक्षकों तथा सामान्य मानकिस स्वास्थ्य के शिक्षकों की कार्य पुष्टि के मध्य ०.०५ स्तर पर सार्थक अन्तर नहीं है। क्रान्तिक अनुपात का मान ०.३६ ज्ञात हुआ जोकि ०.०५ स्तर पर सार्थक अन्तर नही दिखाता है। इसी प्रकार सामान्य स्वास्थ्य के शिक्षकों तथा निम्न मानसिक स्वास्थ्य शिक्षकों की कार्य तुष्टि के मध्य सार्थक अन्तर ज्ञात नही हुआ। इसके विपरीत उत्तम मानसिक स्वास्थ्य निम्न मासिक स्वास्थ्य के शिक्षकों की कार्य तुष्टि के मध्य ०.०५ स्तर पर सार्थक अन्तर प्राप्त हुयी। ४ क्रान्तिक अनुपात २.१० प्राप्त हुआ जो कि ०.०५ स्तर पर सार्थक अन्तर दिखाता है। निम्न मानसिक स्वास्थ्य के शिक्षको की अपेक्षा उत्तम मानसिक स्वास्थ्य के शिक्षको की कार्य तुष्टि सार्थक स्तर पर उच्च रही है।

अतः प्रस्तुत अध्ययन की परिकल्पना उत्तम सामान्य व निम्न मानसिक स्वास्थ्य के शिक्षको की कार्य तुष्टि के मध्य सार्थक अन्तर नहीं होगा'' असत्य है। उत्तम मानसिक स्वास्थ्य के शिक्षकों के शिक्षक निम्न मानसिक स्वास्थ्य के शिक्षकों की उपेक्षा उच्च कार्य तुष्टि रखते है। यद्यपि उत्तम मानसिक, सामान्य मानसिक स्वास्थ्य के शिक्षकों की कार्य सन्तुष्टि एवं सामान्य मानसिक स्वास्थ्य व निम्न मानसिक स्वास्थ्य के शिक्षकों की कार्य तुष्टि ०.०५ स्तर पर सार्थक अन्तर ज्ञात नही होता है।

Copyright © 2018, Scholarly Research Journal for Interdisciplinary Studies

Ref

Asthana Madhu & Verma Kiran bala life stress & social support: A study of working Women" Indian journal of community Psychology.

Gupta SP A study of the relationship between job Satisfaction and personal values among college teachers"

Ker linger F.N. Foundation behavioral research New Delhi

Copyright © 2018, Scholarly Research Journal for Interdisciplinary Studies